भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR
"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"
Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE
7th September 2024

English

ICC Meeting at IIIT Nagpur

The Indian Institute of Information Technology (IIIT), Nagpur, recently held an important Internal Complaint Committee (ICC) meeting aimed at fostering a safer, more inclusive, and supportive environment for female students, faculty, and staff. The ICC, established under the Ministry of Education guidelines, plays a crucial role in addressing complaints related to sexual harassment and promoting awareness of gender sensitivity across the campus.

The purpose of the meeting was to engage the community in meaningful discussions about the rights and safety of women on campus and to address concerns that may arise in a professional and supportive manner. It also provided an opportunity for students, faculty, and staff to gain awareness of the various procedures in place for addressing grievances, ensuring that everyone feels empowered to speak up against any form of misconduct. The meeting was attended by all female members of the institute, demonstrating the commitment of the IIIT Nagpur community to fostering an environment where respect, dignity, and safety are upheld at all times.

Key topics of discussion during the meeting included the role of the ICC, mechanisms for reporting and resolving complaints, and strategies for enhancing the overall campus environment. The session also provided a platform for open dialogue, encouraging students and staff to voice their opinions, share their concerns, and learn more about how the ICC functions to protect their rights.

The event was further enriched by the presence of two highly respected guests, Mrs. Pallavi P. Padole, an esteemed social worker and Deputy Director of VARDAN NGO, and Mrs. Monica Seth, a renowned counselor from Nagpur. Mrs. Pallavi P. Padole shared her valuable insights on the legal framework and support mechanisms available to women. Her experiences as a social worker provided attendees with a deeper understanding of their rights and the resources they can access in cases of injustice. Mrs. Monica Seth, with her profound knowledge of counseling, shed light on the psychological aspects of harassment and empowered the students with strategies to deal with such situations. Her session was especially insightful as it covered various practical approaches to building mental resilience and confidence. Mrs. Seth's expertise in handling sensitive matters helped the participants understand the importance of self-awareness and emotional well-being in ensuring personal safety.

The session concluded with an open forum, where attendees actively participated, asking questions and engaging in meaningful discussions. This collaborative effort between the administration and students underscores IIIT Nagpur's commitment to creating a campus environment that is free from harassment and discrimination.

The successful organization of this impactful meeting was made possible through the efforts of ICC President, Ms. Kirti Dorshetwar, and the dedicated members of the committee. Special thanks are extended to the Director of IIIT Nagpur, Dr. Omprakash G. Kakde, and the Registrar, Shri Kailas N. Dakhale, for their unwavering support and leadership in facilitating this important event, reaffirming the institute's commitment to ensuring a safe and respectful campus environment for all.

The ICC continues to be a strong pillar in ensuring the well-being of women at IIIT Nagpur, encouraging every member to speak up and seek support when needed.

Hindi

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), नागपुर ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आंतरिक शिकायत समिति (ICC) की बैठक आयोजित की, जिसका उद्देश्य महिला छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, अधिक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के तहत स्थापित आईसीसी, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों को संबोधित करने और पूरे परिसर में लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बैठक का उद्देश्य समुदाय के परिसर में महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के बारे में सार्थक चर्चा में शामिल करना और पेशेवर और सहायक तरीके से उत्पन्न होने वाली चिंताओं का समाधान करना था। इसने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को शिकायतों के समाधान के लिए मौजूद विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता हासिल करने का अवसर प्रदान किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर कोई किसी भी प्रकार के कदाचार के खिलाफ बोलने में सशक्त महसूस करता है। बैठक में संस्थान की सभी महिला सदस्यों ने भाग लिया, जिससे एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आईआईआईटी नागपुर समुदाय की प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई जहां हर समय सम्मान, प्रतिष्ठा और सुरक्षा बरकरार रखी जाती है।
बैठक के दौरान चर्चा के मुख्य विषयों में आईसीसी की भूमिका, शिकायतों की रिपोर्टिंग और समाधान के लिए तंत्र और समग्र परिसर के माहौल को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ शामिल थीं। सत्र ने खुली बातचीत के लिए एक मंच भी प्रदान किया, जिससे छात्रों और कर्मचारियों को अपनी राय व्यक्त करने, अपनी चिंताओं को साझा करने और आईसीसी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कैसे कार्य करता है, इसके बारे में और जानने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

यह कार्यक्रम दो अत्यधिक सम्मानित अतिथियों, एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता और वरदान एनजीओ की उप निदेशक श्रीमती पल्लवी पी. पडोले और नागपुर की एक प्रसिद्ध परामर्शदाता श्रीमती मोनिका सेठ की उपस्थिति से समृद्ध हुआ। श्रीमती पल्लवी पी. पडोले ने महिलाओं के लिए उपलब्ध कानूनी ढांचे और सहायता तंत्र पर अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनके अनुभवों ने उपस्थित लोगों को उनके अधिकारों और उन संसाधनों की गहरी समझ प्रदान की, जिनका उपयोग वे अन्याय के मामलों में कर सकते हैं। श्रीमती मोनिका सेठ ने परामर्श के अपने गहन ज्ञान के साथ, उत्पीड़न के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए रणनीतियों के साथ सशक्त बनाया। उनका सत्र विशेष रूप से ज्ञानवर्धक था क्योंकि इसमें मानसिक लचीलेपन और आत्मविश्वास के निर्माण के लिए विभिन्न व्यावहारिक दृष्टिकोण शामिल थे। संवेदनशील मामलों को संभालने में श्रीमती सेठ की विशेषज्ञता ने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने में आत्म-जागरूकता और भावनात्मक कल्याण के महत्व को समझने में मदद की।

सत्र एक खुले मंच के साथ संपन्न हुआ, जहां उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, प्रश्न पूछे और सार्थक चर्चा में भाग लिया। प्रशासन और छात्रों के बीच यह सहयोगात्मक प्रयास परिसर में उत्पीड़न और भेदभाव से मुक्त माहौल बनाने की आईआईआईटी नागपुर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस प्रभावशाली बैठक का सफल आयोजन आईसीसी अध्यक्ष सुश्री कीर्ति दोरशेतवार और समिति के समर्पित सदस्यों के प्रयासों से संभव हुआ। आईआईआईटी नागपुर के निदेशक, डॉ. ओमप्रकाश जी. काकड़े और रजिस्ट्रार, श्री कैलास एन. डाखले को इस महत्वपूर्ण आयोजन को सुविधाजनक बनाने में उनके अटूट समर्थन और नेतृत्व के लिए विशेष धन्यवाद दिया जाता है, जो एक सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। सभी के लिए परिसर का वातावरण।

आईआईआईटी नागपुर में महिलाओं की भलाई सुनिश्चित करने के लिए आईसीसी एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है, जो हर सदस्य को बोलने और जरूरत पड़ने पर समर्थन लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

Marathi

आयआयआयटी नागपूर येथे आयसीसीची बैठक

भारतीय माहिती तंत्रज्ञान संस्था (IIIT), नागपूरने नुकतीच महिला विद्यार्थी, प्राध्यापक आणि कर्मचारी यांच्यासाठी अधिक सुरक्षित, अधिक समावेशक आणि आश्वासक वातावरण निर्माण करण्याच्या उद्देशाने एक महत्त्वाची अंतर्गत तक्रार समितीची (ICC) बैठक घेतली. शिक्षण मंत्रालयाच्या मार्गदर्शक तत्त्वांनुसार स्थापन करण्यात आलेली ICC, लैंगिक छळाशी संबंधित तक्रारींचे निराकरण करण्यात आणि संपूर्ण कॅम्पसमध्ये लैंगिक संवेदनशीलतेबद्दल जागरूकता वाढविण्यात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावते.

कॅम्पसमधील महिलांच्या हक्क आणि सुरक्षिततेबद्दल समाजाला अर्थपूर्ण चर्चेत गुंतवून ठेवण्याचा आणि व्यावसायिक आणि सहाय्यक पद्धतीने उद्भवू शकणाऱ्या समस्यांचे निराकरण करणे हा या बैठकीचा उद्देश होता. याने विद्यार्थी, प्राध्यापक आणि कर्मचाऱ्यांना तक्रारींचे निराकरण करण्यासाठीच्या विविध प्रक्रियांबद्दल जागरूकता मिळवण्याची संधी देखील दिली आहे, याची खात्री करून प्रत्येकाला कोणत्याही प्रकारच्या गैरवर्तणुकीविरुद्ध बोलण्यास सक्षम वाटत आहे. या बैठकीला संस्थेच्या सर्व महिला सदस्यांनी हजेरी लावली होती, जिथे आदर, प्रतिष्ठा आणि सुरक्षितता कायम राखली जाते अशा वातावरणाला प्रोत्साहन देण्यासाठी IIIT नागपूर समुदायाची बांधिलकी दाखवून दिली.

बैठकीतील चर्चेच्या प्रमुख विषयांमध्ये ICC ची भूमिका, तक्रारींचा अहवाल आणि निराकरण करण्याची यंत्रणा आणि संपूर्ण कॅम्पस वातावरण सुधारण्यासाठी धोरणे यांचा समावेश होता. सत्राने मुक्त संवादासाठी एक व्यासपीठ देखील प्रदान केले, विद्यार्थी आणि कर्मचाऱ्यांना त्यांचे मत मांडण्यासाठी, त्यांच्या समस्या सामायिक करण्यासाठी आणि त्यांच्या अधिकारांचे संरक्षण करण्यासाठी ICC कसे कार्य करते याबद्दल अधिक जाणून घेण्यासाठी प्रोत्साहित करते.

आदरणीय समाजसेविका आणि वरदान एनजीओच्या उपसंचालक श्रीमती पल्लवी पी. पडोळे आणि नागपूरच्या प्रसिद्ध समुपदेशक श्रीमती मोनिका सेठ यांच्या उपस्थितीने हा कार्यक्रम समृद्ध झाला. श्रीमती पल्लवी पी. पडोळे यांनी महिलांसाठी उपलब्ध असलेल्या कायदेशीर चौकटी आणि सहाय्य यंत्रणांबद्दल त्यांचे मौल्यवान अंतर्दृष्टी शेअर केले. एक सामाजिक कार्यकर्ता म्हणून तिच्या अनुभवांनी उपस्थितांना त्यांचे हक्क आणि अन्यायाच्या प्रकरणांमध्ये ते मिळवू शकणाऱ्या संसाधनांची सखोल माहिती दिली. श्रीमती मोनिका सेठ यांनी त्यांच्या समुपदेशनाच्या सखोल ज्ञानाने, छळवणुकीच्या मानसिक पैलूंवर प्रकाश टाकला आणि अशा परिस्थितींना सामोरे जाण्यासाठी विद्यार्थ्यांना रणनीती बनविण्यास सक्षम केले. तिचे सत्र विशेषतः अंतर्ज्ञानी होते कारण त्यात मानसिक लवचिकता आणि आत्मविश्वास निर्माण करण्यासाठी विविध व्यावहारिक दृष्टीकोनांचा समावेश होता. संवेदनशील बाबी हाताळण्यात श्रीमती सेठ यांच्या कौशल्यामुळे सहभागींना वैयक्तिक सुरक्षा सुनिश्चित करण्यासाठी आत्म-जागरूकता आणि भावनिक कल्याणाचे महत्त्व समजण्यास मदत झाली.

सत्राचा समारोप एका खुल्या मंचाने झाला, जेथे उपस्थितांनी सक्रियपणे भाग घेतला, प्रश्न विचारले आणि अर्थपूर्ण चर्चेत गुंतले. प्रशासन आणि विद्यार्थी यांच्यातील हा सहयोगी प्रयत्न आयआयआयटी नागपूरच्या कॅम्पसमध्ये छळ आणि भेदभावापासून मुक्त वातावरण निर्माण करण्याच्या वचनबद्धतेला अधोरेखित करतो.

या प्रभावी बैठकीचे यशस्वी आयोजन आयसीसीच्या अध्यक्षा सौ.कीर्ती दोरशेटवार आणि समितीच्या समर्पित सदस्यांच्या प्रयत्नांमुळे शक्य झाले. आयआयआयटी नागपूरचे संचालक डॉ. ओमप्रकाश जी. काकडे आणि रजिस्ट्रार, श्री कैलास एन. डाखले यांचे विशेष आभार मानतात, त्यांनी हा महत्त्वाचा कार्यक्रम सुकर करण्यात अतुलनीय पाठिंबा आणि नेतृत्व दिले आहे आणि संस्थेच्या वचनबद्धतेची पुष्टी केली आहे.
IIIT नागपूरमध्ये महिलांचे कल्याण सुनिश्चित करण्यासाठी ICC हा एक मजबूत आधारस्तंभ आहे, प्रत्येक सदस्याला बोलण्यासाठी आणि आवश्यकतेनुसार समर्थन मिळविण्यास प्रोत्साहित करते.

4 Sept 2024, 15:38

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपूर
Indian Institute of Information Technology, Nagpur
"An institution of National Importance by an Act of Parliament"